उत्तराखण्ड: राजनीतिक–प्रशासनिक

उत्तराखण्ड राज्य

उत्तराखण्ड़ राज्यस्तरीय परीक्षाओं हेतु अति महत्वपूर्ण बहुविकल्प प्रश्न एवं उनके उत्तर

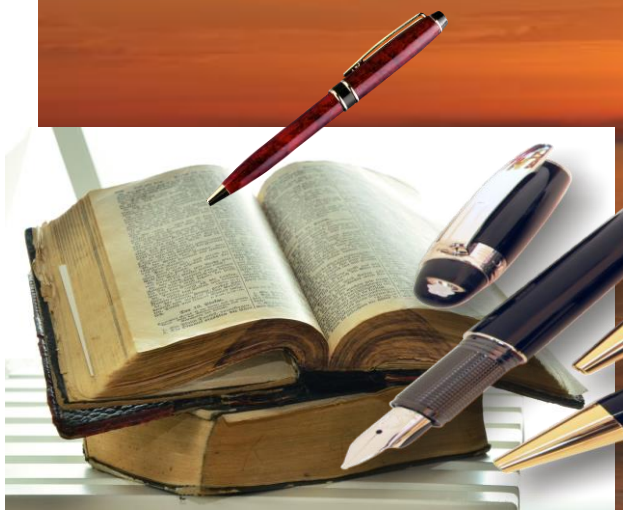

उत्तराखंड राज्य की स्थापना :– 9 नवंबर 2000

उत्तराखण्ड हिमालयी राज्य :– 11 वॉ राज्य

उत्तराचंल से नाम परिवर्तित कर उत्तराखण्ड :– 1 जनवरी 2007

उत्तराखण्ड राज्य चिन्ह :– तीन पर्वत चोटियों की श्रंखला और उसके नीचे गंगा की 4 लहरें

राज्य पुष्प :– ब्रहमकमल

राज्य पक्षी :– मोनाल (हिमालय मयूर)

राज्य पशु :– कस्तूरी मृग

राज्य वृक्ष :– बुरांस

राज्य में मंडल :– 2 गढ़वाल और कुमांयू

राज्य में जिले :– 13

राज्य में तहसीलें :– 79

राज्य में ब्लॉक :– 95

उत्तराखण्ड राज्य

राज्य के प्रथम महाधिवक्ता :— मेहरबान सिंह नेगी

राज्य में लोकसभा की सीटें :— 5

राज्य में राज्य सभा की सीटें :— 3

राज्य में विधानसभा की सीटें :— 70

राज्य में अनुसूचित जनजाति की सीटें :— 02

राज्य में अनुसूचित जाति की सीटें :— 13

उत्तराखण्ड में कांचुलखर्क है :— कस्तूरी मृग संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र

वर्ष 1814 में अंग्रेजों का कब्जा :— गढ़वाल

वर्ष 1815 में अंग्रेजों का कब्जा :— कुमायूं

देहरादून जिले की स्थापना :— 1817

ब्रिटिश गढ़वाल का मुख्यालय श्रीनगर से हटाकर पौड़ी :— 1840

पौड़ी गढ़वाल जनपद की स्थापना :— 1840

- अल्मोड़ा एवं नैनीताल जिले की स्थापना :– 1891
- टिहरी जिले की स्थापना :– 1 अगस्त 1949
- उत्तरकाशी जिले की स्थापना :– 1960
- गढ़वाल1 मण्ड़ल की सीापना :– 1969
- देहरादून को गढ़वाल मण्ड़ल में सम्मिलित किया :– 1975
- हरिद्वार जनपद की स्थापना :– 28 दिसम्बर 1988
- ऊधमसिंह नगर जनपद की स्थापना :– 26 दिसम्बर 1995
- चम्पावत जनपद की स्थापनाः– 15 सितम्बर 1997
- रूद्रप्रयाग और बागेश्वर जनपद की स्थापनाः– 18 सितम्बर 1997
- राज्य में राजस्व पुलिस व्यवस्था लागू की गयी :– 1874
- अंग्रेजी शासन काल में कुमायूं में :– 19 परगनें तथा 125 पट्टियॉ(पटवारी क्षेत्र)
- अंग्रेजी शासन काल में गढ़वाल मण्ड़ल में :– 11 परगनें तथा 86 पट्टियॉ(पटवारी क्षेत्र)

Please
SUBSCRIBE NOW
Like
Share